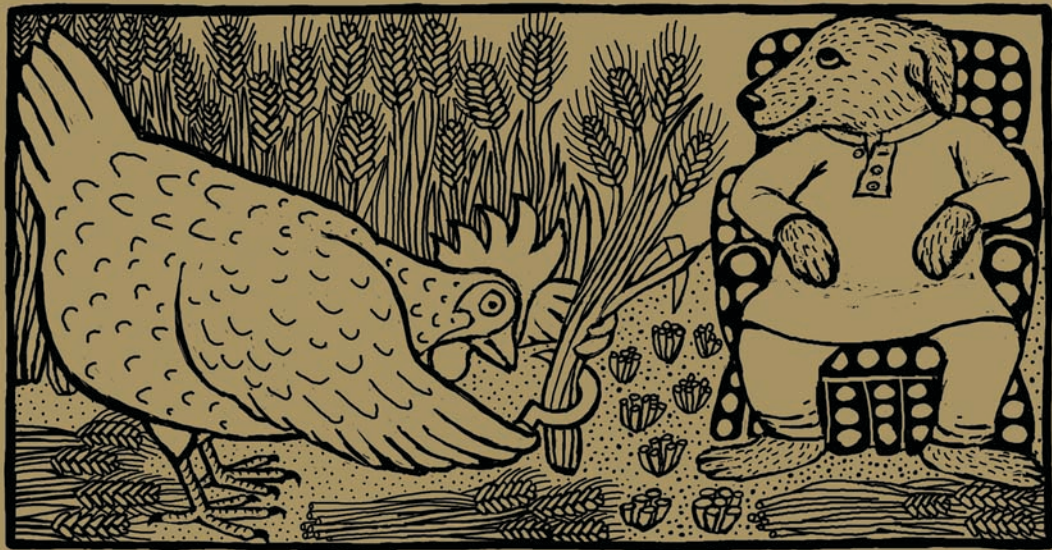


# दूदी लाल सुर्गी



कैरन हेडाक

एकलव्य

अहा !  
गेहूँ के दाने!  
हम इसे खा ले...  
या बो दे !





कौन करेगा मदद  
इसको बॉने में ?

मैं नहीं





मैं नहीं

Universitatis Princetoniae

Omniibus suis doctoribus

Respectu

Philosophiae Doctoris

Magistri

Doctoris



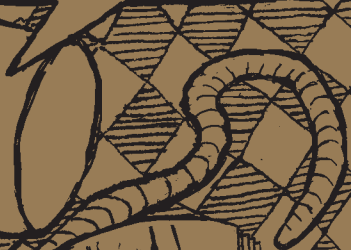
Magistri

Doctoris

में नहीं



मैं नहीं





अच्छा मैं खुद ही बोऊँगी !









मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

कौन देगा मदद  
फसल काटने में ?



अच्छा मैं  
खुद ही  
काटूंगी!

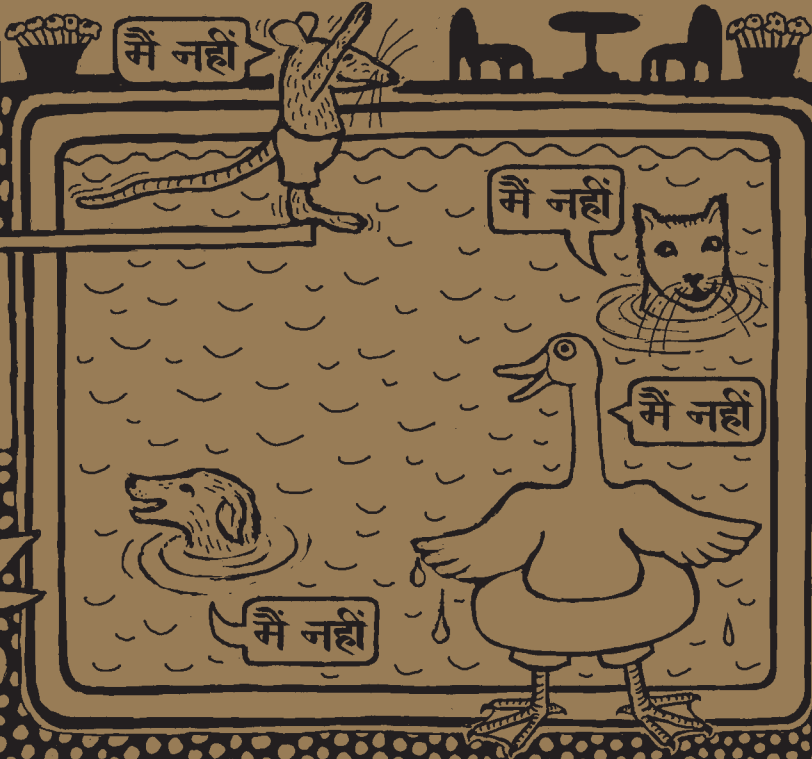
कौन करेगा  
मदद गेहूँ  
कूटने में ?

मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं





अच्छा मैं खुद ही  
कूट लूँगी !



मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

कौन करेगा मदद  
गेहूँ फटकने में ?





कौन देगा  
मदद गेहूँ  
छानने में ?



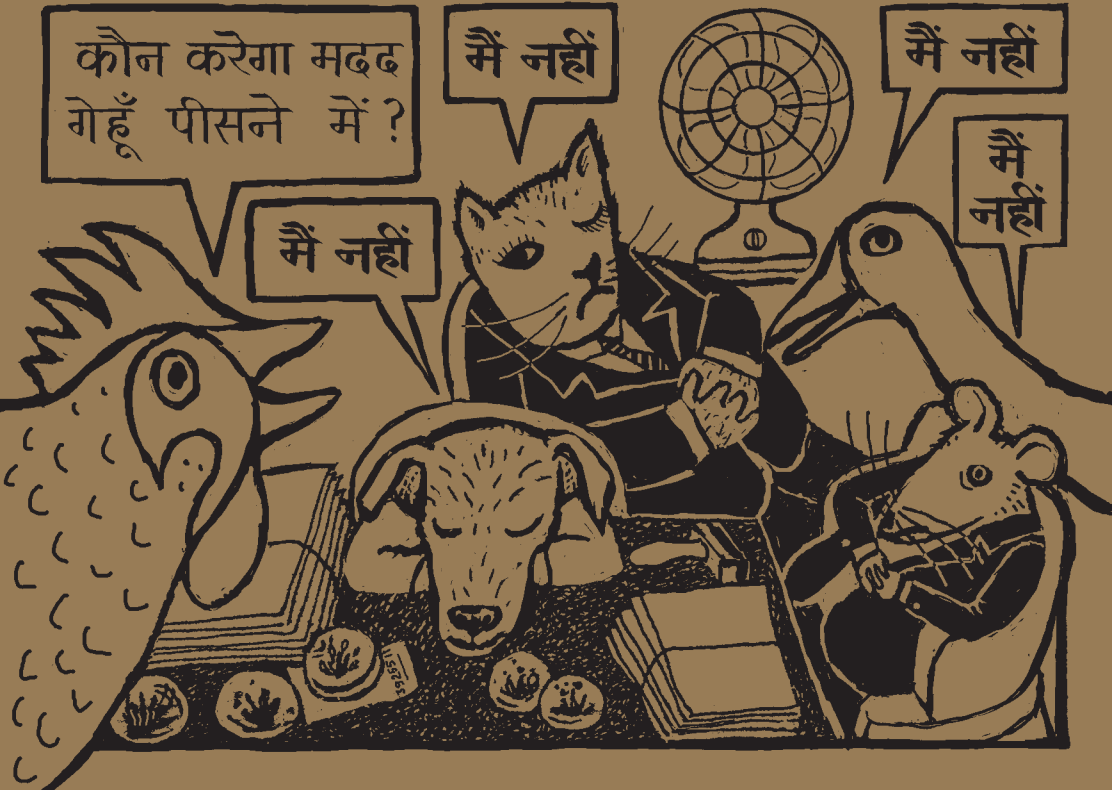
कौन करेगा मदद  
गेहूँ पीसने में ?

मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

मैं  
नहीं

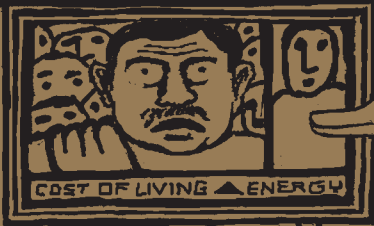


अच्छा  
मैं खुद  
ही  
पीसूंगी !



कौन करेगा  
मदद रोटी  
पकाने में ?

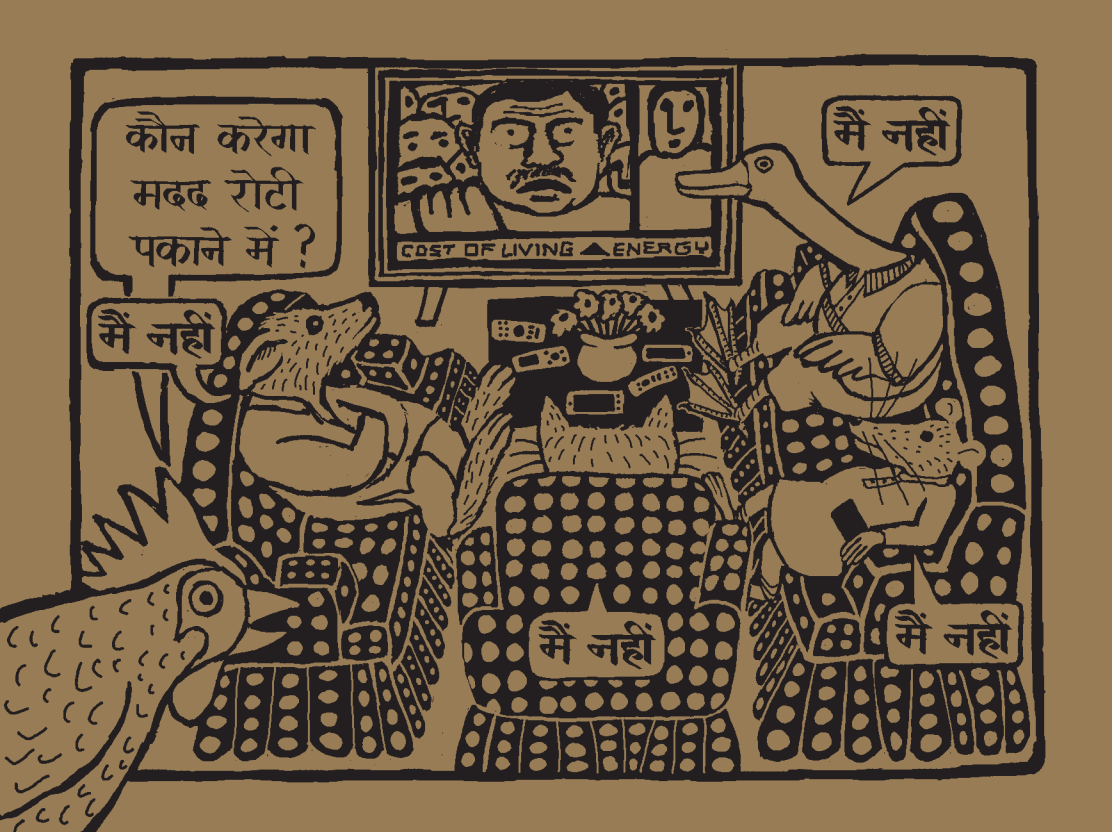
मैं नहीं



मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं



अच्छा मैं खुद ही पकाऊँगी !



कौन करेगा मद्द रोटी खाने में ?

मैं खाऊँगा!

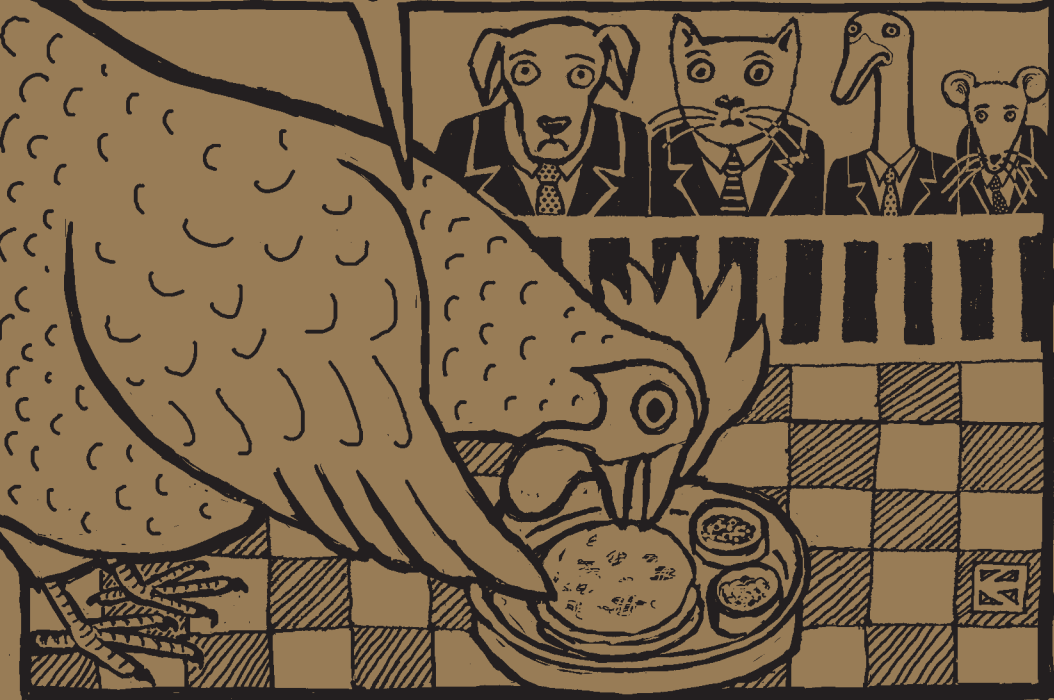
मैं खाऊँगा!

मैं  
खाऊँगा!

मैं खाऊँगा!



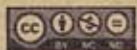
जी नहीं! मैं खुद खाऊँगी! जो काम करे सो खाए...



छोटी लाल मुर्गी / Chhoti Lal Murgi

कहानी व चित्र: कैरन हेडॉक

डिज़ाइन: कनक शशि



कैरन हेडॉक, नवम्बर 2015

इस कहानी का उपरोक्त के समान क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस के तहत गैर-व्यावसायिक शैक्षिक उद्देश्यों हेतु मुफ्त वितरण के लिए उपयोग किया जा सकता है। ऐसा करते हुए मूल स्रोत के रूप में लेखक और प्रकाशक का जिक्र करना और उन्हें सूचित करना आवश्यक होगा। अन्य किसी भी प्रकार के उपयोग के लिए एकलव्य से सम्पर्क करें।

नवम्बर 2015/ 3000 प्रतियाँ

कागज़: 140 gsm ब्राउन क्राफ्ट पेपर

पराग इनिशिएटिव, टाटा ट्रस्ट के वित्तीय सहयोग से विकसित

ISBN:978-93-81337-77-6

मूल्य: ₹ 18.00

प्रकाशक: एकलव्य

ई-10, शंकर नगर वीडिए कॉलोनी,

शिवाजी नगर, भोपाल - 462 016 (मप्र)

फोन: +91 755 255 0976, 267 1017

[www.eklavya.in](http://www.eklavya.in) / [books@eklavya.in](mailto:books@eklavya.in)

मुद्रक: आर के सिक्युप्रिंट, प्रा. लि., भोपाल (मप्र) +91 755 268 7589